1ST RANK IN UP BY
SANSKRITI SCHOOL OF TOURISM AND HOSPITALITY
SANSKRITI UNIVERSITY AWARDED
STUDENT DIVERSITY & YOUNG UNIVERSITY IN INFRASTRUCTURE & RESEARCH
SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
Established Under Section 2(f) of UGC Act, 1956
6TH RANK IN UP BY
SANSKRITI SCHOOL OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY
RANKED AMONG TOP 15TH UNIVERSITIES IN INDIA BY INDIA TODAY ASPIRE
SANSKRITI UNIVERSITY

संस्कृति विवि के फ्रैशर ने अपनी प्रतिभाओं से सबका दिल जीता

संस्कृति विश्वविद्यालय की फ्रेशर पार्टी में परिधानों का प्रदर्शन करते छात्र–छात्राएं।

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में आज का दिन विद्यार्थियों के नाम दर्ज हो गया। हंगामे, नृत्य, गायन और धमाकेदार संगीत के साथ मनी फ्रैशर पार्टी में नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों ने अपनी अतिरिक्त प्रतिभाओं का जोरदार प्रदर्शन किया। कैंपस के वातावरण से प्रफुल्लित छात्र–छात्राओं ने मंच से न केवल संस्कृति विवि के तारीफ में शेर गढ़े वरन कुलाधिपति की शान में कसीदे गढ़े।

नए सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित होने वाली यह फ्रैशर पार्टी दोपहर में विवि की परंपरा के अनुसार मां सरस्वती की पूजा और वंदना के साथ शुरू हुई।

संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया। उनके साथ विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा और संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्चर के डीन डा. रजनीश त्यागी द्वारा भी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इसके तुरंत बाद विद्यार्थियों ने मंच का संचालन अपने हाथ में ले लिया।

संचालन कर रहीं छात्रा राधिका उपाध्याय, साजिद, मोहित और छात्रा मेघा के चुटीले शेरों ने छात्र–छात्राओं को जमकर गुदगुदाया और उनमें जोश भर दिया।

मंच पर धमाकेदार संगीत के साथ छात्र–छात्राओं के एक ग्रुप ने बालीवुड के गीतों के मिक्स पर नृत्य किया। विद्यार्थियों की जबर्दस्त सपोर्ट के साथ अगली प्रस्तुति पंजाबी गीत पर छात्र ऋषि द्वारा की गई।

डांस इतना जोरदार था कि नेशनल हाईवे पर आते जाते लोग भी रुक कर इसका मजा लेने लगे। इसके बाद छात्र तनिश और उज्ज्वल ने फिल्मी गीत सुनाकर अपने साथियों का भरपूर मनोरंजन किया। छात्रा भूमिका और नेन्सी के नृत्य पर पार्टी में मौजूद छात्र–छात्राएं भी साथ में कदम मिलाकर नाच उठे। नृत्य और गीतों के बीच संस्कृति स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग द्वारा आयोजित फैशन परेडों में छात्र–छात्राओं ने परिधानों का पूर्ण आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन किया और लोगों की तालियां बटोरीं। छात्रा पायल ने बालीवुड फिल्म के गीत पर जोरदार नृत्य से अपनी छिपी हुई प्रतिभा को उजागर किया। इसी बीच छात्रों ने हेल्मेट की जरूरत बताते हुए एक जागरूकता बढ़ाने वाली नाटिका प्रस्तुत की, जिसको सबने बहुत सराहा।

छात्रा आस्था और उनके साथियों ने सौदा खरा–खरा गीत पर समूह नृत्य किया तो वहीं वंदना और हर्षिता ने पंजाबी गीतों पर नृत्य कर अपने साथ छात्र–छात्राओं को खूब नचाया। आकाश, विवेक ने क्या यही प्यार है, गीत सुनाकर सबका मन जीत लिया।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में रहीं विदेशी छात्रा लोला। उन्होने अपने गाने से अपनी आवाज का जादू बिखेरा, जिसपर पार्टी में मौजूद विदेशी छात्रों ने जमकर नृत्य किया और उनका उत्साह दूना कर दिया। राबर्टसन, श्रीजन साक्षी और दिवाकर ने अपने नृत्यों से तो स्नेहा, नंदनी ने अपने गीतों से खूब तालियां बटोरीं। फ्रैशर पार्टी की संयोजक थीं शिक्षिका डा.दुर्गेश वाधवा।

पार्टी के मुख्य समन्वयक थे शंशाक शर्मा और उनका सहयोग कर रहे थे छात्र विशाल।

******

फ्रेशर पार्टी में मंच पर चढ़कर फुल मस्ती में छात्राएं नाचती हुईं।

175+
Companies Visited

91%
Students Placed

54 Lakh
Highest Package

संस्कृति विवि में 'प्रगति से प्रकृति पथ तक' साइकिल यात्रा का स्वागत

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय पहुंची 'प्रगति से प्रकृति पथ तक' साइकिल यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। साइकिल यात्रा का नेतृत्व कर रहे पद्मश्री डा. अनिल प्रकाश जोशी ने संस्कृति विवि के सभागार में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह यात्रा दो अक्टूबर को देश की फाइनेंशियल राजाधानी से शुरू होकर देश की इकोलाजिकल राजधानी उत्तराखंड में नौ नवंबर को पहुंचेगी। यात्रा का उद्देश्य लोगों को प्रकृति से जोड़ना है।

डा. जोशी ने कहा कि देश और दुनिया आज एक बड़े बुरे दौर से गुजर रही है। इसके कई पहलू हैं। आधी से ज्यादा दुनिया शहरों में पहुंच गई है और दूसरी तरफ गांव खाली होते जा रहे हैं। शहर फटने की स्थिति में हैं और गांव भुतहा बना दिए गए हैं। पहले शहर अच्छे लगते थे पर अब बुराइयों का गढ़ हो गए हैं। देश दुनिया की प्रगति शहरों पर केंद्रित नहीं हो सकती। समुद्र कूड़ा–कबाड़ के बीच में डूब गया और पहाड़ टूटने को हैं तो प्लास्टिक के पहाड़ों ने जगह बना ली है। प्रकृति के संसाधनों का लेखा जोखा मिट्टी, पानी हमारे पास किसी भी रूप में नहीं रहा। मतलब बड़ा साफ है कि जीडीपी ने हमारा सब कुछ ले लिया। दवाओं का दौर बढ़ चुका है और एक से एक नई बीमारियों ने हमें घेर लिया है। शायद यही हमारी 200 साल में सबसे बड़ी भूल रही कि हमने परिस्थितिकी को नहीं समझा। अब समय आ गया है, अब भी नहीं चेते तो फिर कभी नहीं चेतेंगे।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा प्रकृति के लिए लोगों को एक साथ जोड़ने की यात्रा है। सभी वर्ग की भागीदारी जुटाने की पहल है। ये समुद्र से हिमालय तक के लोगों को जोड़ने और जुटाने की मुहिम है। आर्थिकी से लेकर पारिस्थिकी के संतुलन की यात्रा है। प्रकृति व प्रभु के प्रति समान समझ बनाने की यह यात्रा कई तरह के सामुहक सवालों और समाधानों के लिए होगी। एक तरफ आम जन इसका हिस्सा बनेंगे वहीं दूसरी तरफ राजनीतिक, अभिनय, औद्योगिक घारानों की भागीदारी भी सुनिश्तित करने का प्रयत्न होगा। प्रकृति सबकी है इसलिए हर वर्ग को इसके प्रति कृतज्ञता भी जतानी है। ये यात्रा ऐसी ही कोशिशों का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि आप सबको इसकी आवाज बनना है और इसके साथ खड़े होना है।

इस मौके पर संस्कृति विवि के रजिस्ट्रार एडमिनिस्ट्रेशन तुषार शर्मा, एडमिनिस्ट्रेटिव आफिसर मनु नरवाल ने पद्मश्री डा. जोशी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साइकिल यात्रा में चल रहे प्रकृति प्रेमियों का भी विश्वविद्यालय द्वारा स्वागत व सम्मान कर हौसला आफजाई की गई।

******

संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने लगाया दीपावली फैशन ट्रेड शो

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों ने दो दिवसीय दीपावली फैशन ट्रेड शो का आयोजन किया। इस ट्रेड शो में छात्र–छात्राओं ने अपने बनाए सुंदर वस्त्रों, बैग, ज्यूलरी का प्रदर्शन किया और साथ ही इनकी बिक्री भी की। विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने जमकर इन विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए परिधानों की खरीददारी की।

संस्कृति स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग के लगभग 50 छात्र–छात्राओं ने अपने द्वारा बनाए गए पुरुषों और युवतियों के वस्त्रों, ठाकुरजी की पोशाकों, बच्चों की लुभाने वाली पोशाकों, नेकलैस, ईयर टाप्स का प्रदर्शन किया। इन वस्त्रों में हाई फैशन डिजाइनिंग, वेडिंग ड्रेस और परंपरागत वस्त्र जिनमें कुर्ता, पायजामा, हाफ शर्ट, फुल शर्ट शामिल थीं। वहीं आने वाली शीत ऋतु को देखते हुए पुरुषों और महिलाओं के गरम वस्त्र, ठाकुरजी के लिए ऊनी पोशाकें आदि भी आकर्षित कर रही थीं।

इन आकर्षक परिधानों, ज्यूलरी, बैग को बनाने वाले छात्र–छात्राओं में नेहा, नंदनी, हरिप्रिया, दीपक, अमित, आयुष, शालू, कुमकुम, पूजा, विधि और वर्षा आदि थीं।

दीपावली फैशन ट्रेड शो की व्यवस्थाओं का जिम्मा संभाला संस्कृति स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग के संकाय सदस्य शांतनु पाल ने।

आयोजक संकाय सदस्य शुभांगी पाटीदारी थीं। वस्त्रों को बनाने में संकाय सदस्य मोनिका खत्री का सहयोग रहा।

दीपावली ट्रेड फेयर शो का निरीक्षण करने पहुंचीं विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने विद्यार्थियों के काम की जमकर तारीफ की उन्होंने उन संकाय सदस्यों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने विद्यार्थियों के सामान और वस्त्रों की खरीदकर उनका प्रोत्साहन किया।

******

संस्कृति स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग के छात्र–छात्राओं द्वारा लगाए गए दीपावली फैशन ट्रेड शो में विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए परिधानों को देखतीं विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा।

संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने पोस्टरों से बताए रैंगिंग के दुष्परिणाम

संस्कृति विवि के विद्यार्थी 'से नो टू रैंगिंग' पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में बनाए अपने पोस्टरों का प्रदर्शन करते हुए।

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में रैंगिग को रोकने के लिए संस्कृति स्कूल आफ एजूकेशन द्वारा एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता का विषय था 'से नो टू रैंगिंग (रैंगिंग को कहें न)'। विद्यार्थियों के बीच जागरूकता लाने वाली इस प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने चित्रों के माध्यम से रैंगिग जैसी बुराई को विस्तार से समझाया उसके दुष्परिणामों को भी दिखाया और आपसी प्रेम की आवश्यकता का भी चित्र खींचा।

'स्कूल ऑफ फैशन डिजाइनिंग', 'स्कूल ऑफ बेसिक एप्लाइड साइंस', 'स्कूल ऑफ फार्मेसी', 'स्कूल ऑफ स्पेशल एजुकेशन', 'स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडी', 'स्कूल ऑफ एजुकेशन' के रूप में विभिन्न स्कूलों के 37 छात्रों ने भाग लिया। इस आयोजन के प्रतिभागियों ने पोस्टरों की सहायता से यह संदेश दिया है कि रैगिंग की सजा 'जेल' भी हो सकती है। यह छात्रों को अपना अध्ययन बंद करने में बाधा डाल सकता है जो कि नहीं होना चाहिए। रैगिंग एक अपराध है, इसलिए व्यक्तित्व को सही दिशा में विकसित करने के लिए हमें रैगिंग पर अंकुश लगाना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग स्कूल के प्राचार्य डा.केके पाराशर ने एंटी रैगिंग कानून के बारे में छात्र–छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी और इसके दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। पोस्टर प्रतियोगिता की समन्वयक संस्कृति स्कूल आफ एजूकेशन की शिक्षिका संगीता सिंह व सह समन्वयक तन्वी शर्मा थी।

******

COURSES
• Engineering
• Polytechnic
• Management & Commerce
• Tourism & Hospitality
• Fashion
• Law & Legal Studies
• Humanities & Social Science
• Education
• Rehabilitation
• Basic & Applied Sciences
• Agriculture
• Pharmacy
• Yoga & Naturopathy
• Medical & Allied Sciences
• Nursing
• BAMS

ENGINEERING
- B.Tech (CS&E, Civil, ME)
- B.Tech - CS (Artificial Intelligence & Machine Learning)
- B.Tech (Aerospace Engg.)
- BCA · MCA
- B.Sc (Hons.) Aeronautical Science
- B.Sc (Hons.) Computing
- M.Tech (CS, ME, Civil)

POLYTECHNIC
- Diploma in Engineering (CS&E, Civil, EE, ME)

MANAGEMENT & COMMERCE
- BBA · B.COM · B.COM (HONS.)
- BBA (Hons.) Aviation & Travel
- BBA in Entrepreneurship & Family Business
- MBA
- Integrated BBA + MBA
- MBA in Entrepreneurship & Family Business

TOURISM & HOSPITALITY
- B.Sc. in Hotel Management

EDUCATION
- B.A. B.Ed. · B.Sc. B.Ed.
- B.El.Ed. · D.El.Ed.
- B.Ed. · M.Ed.

MEDICAL & ALLIED SCIENCES
- DMLT
- Diploma In X-ray Technician
- Diploma In O.t Technician
- B.Sc. MLT
- B.sc. In Public Health
- BPT
- Bachelor of Optometry
- B.Sc. Cardiovascular Technology
- MPT

YOGA & NATUROPATHY
- BNYS
- P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy

LAW & LEGAL STUDIES
- B.A. LLB (Hons.)
- B.Com. LLB (Hons.)

HUMANITIES & SOCIAL SCIENCE
- B.A. Psychology (Hons.)
- B.A. in English, Sanskrit, Socialogy, Geography (Hons.)
- M.A. (Sociology, Psychology)
- M.A. Sanskrit (निःशुल्क)

NURSING
- ANM · GNM · B.Sc.

AYURVEDA
- BAMS
- M.Sc. in Physiology (For BAMS Students equivalent to MD Ayurveda)
- M.Sc. in Anatomy (For BAMS Students equivalent to MD Ayurveda)

BASIC & APPLIED SCIENCES
- B.Sc. (Biotech, Forensic Science)
- M.Sc. (Biotech, Industrial Chemistry)

REHABILITATION
- D.Ed. (Spl. Edu.) - CP/MR/VI
- B.Ed. (Spl. Edu.) - LD/HI/IDD

PHARMACY
- D. Pharm
- B. Pharm
- B.Pharm (Lateral)

AGRICULTURE
- B.Sc. (Hons.) in Agriculture
- M.Sc. in Agriculture (Agronomy)

FASHION
- Diploma in Fashion Designing
- B.A. in Fashion Designing
- Master in Fashion Designing (MFD)

PhD
Engineering & Technology
Education · Agriculture
Ayurveda
Basic & Applied Sciences
Management, Finance & Commerce
Pharmaceutical Science

संस्कृति विवि के छात्रों ने किया बकरी अनुसंधान केंद्र का अवलोकन

शैक्षिक भ्रमण

मखदूम, फराह स्थित बकरी अनुसंधान केंद्र के शैक्षिक भ्रमण को पहुंचा संस्कृति विवि के विद्यार्थियों का दल, संकाय सदस्यों और केंद्र के अधिकारियों के साथ।

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी और फोरेंसिक विज्ञान के विद्यार्थियों ने केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम, आईसीआर फराह का शैक्षिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान प्रयोगशालाओं अवलोकन के साथ विषय संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल कीं। विद्यार्थियों ने भ्रमण के दौरान बकरी अनुसंधान केंद्र में मौजूद बकरियों की विभिन्न किस्मों और उनकी विशेषताओं को भी जाना।

बकरियों पर अनुसंधान के लिए संस्कृति विवि जैव प्रौद्योगिकी विभाग और फोरेंसिंक विज्ञान के संकाय सदस्यों के नेतृत्व में विद्यार्थियों दल इस शैक्षिक भ्रमण में शामिल था। केंद्रीय संस्थान, मखदूम, पी. ओ. फराह, जिला मथुरा का दौरा किया। सीआईआरजी पहुंचने पर इस दल ने सबसे पहले पशुओं के फार्मों का अवलोकन किया। सीआईआरजी निदेशक डा.डी.के.शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक एएच डिवीजन सीआईआरजी डा. अशोक कुमार प्रधान के निर्देशन में विद्यार्थियों ने छोटे समूहों में प्रयोगशालाओं का दौरा किया। छात्रों ने सूक्ष्म जीव विज्ञान, परजीवी विज्ञान, चिकित्सा, और पशु प्रजनन और आनुवंशिकी की प्रयोगशालाओं को देखा। विद्यार्थियों के लिए इन प्रयोगशालाओं में होने वाले शोध और उनके तरीके ज्ञानवृद्धि के लिए काफी उपयोगी साबित हुए। विद्यार्थियों को लामिना वायु प्रवाह, एक रीयल–टाइम माइक्रोटोम, एक ऑटो–स्टेनर और एचपीएलसी जैसे अत्याधुनिक उपकरणों को प्रत्यक्षतः देखने और उनके काम करने के तरीके को भी जानने का अवसर मिला। फार्म का दौरा कर बायोटेक्नोलॉजी और फॉरेंसिक साइंस के छात्रों ने बकरी की विभिन्न किस्मों के बारे में भी जाना और खेत में उनका प्रबंधन भी देखा।

इस उपयोगी शैक्षिक भ्रमण के बाद संस्कृति विवि के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर (डॉ.) दीपक कुमार वर्मा ने डॉ. डी.के. शर्मा (निदेशक, सीआईआरजी), डॉ. अशोक कुमार (प्रधान वैज्ञानिक), डॉ. चेतना गंगवार (वरिष्ठ वैज्ञानिक), डॉ के गुरुराज (वरिष्ठ वैज्ञानिक), डॉ एम के सिंह (वरिष्ठ वैज्ञानिक) और सभी सीआईआरजी के वैज्ञानिकों और सहायक कर्मचारियों, जिन्होंने इस शैक्षिक भ्रमण में सहयोग दिया, के प्रति संस्कृति विवि के विद्यार्थियों की ओर से धन्यवाद दिया। भ्रमण में संस्कृति विवि के संकाय सदस्यों में डॉ गौरव भारद्वाज, कृष्ण राज, सुश्री हरिथा आरएस और कैलाश सिंह नेगो भी शामिल थे।

संस्कृति विवि में मनाया गया वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के अवसर पर संस्कृति स्कूल आफ साइकोलाजी विभाग में लघु नाटिकाओं में भाग लेने वाले छात्र–छात्राएं।

मथुरा। संस्कृति स्कूल आफ साइकोलाजी द्वारा 'वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे' के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर वक्ता विद्यार्थियों ने बड़े विस्तार से मानसिक विकास और स्वास्थ्य पर प्रकाश डाला और बताया कि हमारे समग्र विकास में मानसिक स्वास्थ्य का क्या महत्व है। विद्यार्थियों ने यह भी बताया कि हमारे आसपास के माहौल से मानसिक स्वास्थ्य किस तरह से प्रभावित होता है और उसके लिए किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है।

संस्कृति मनोविज्ञान विभाग में आयोजित इस उपयोगी व्याख्यान माला में विद्यार्थियों ने दो लघु नाटिकाएं प्रस्तुत कर इस गंभीर विषय को सुरुचिपूर्ण बनाते हुए जागरूता के संदेश दिए। इन नाटिकाओं द्वारा बताया गया कि सामान्य परिवारों में होने वाली कलह का बच्चों के जीवन पर किस तरह और कितना प्रभाव पड़ता है, जिसका असर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। मनोविज्ञान विभाग की द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रीती लोधी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जब हमारा मस्तिष्क स्वस्थ रहता है तो हमारे शरीर का विकास भी अच्छा होता है। मानसिक स्वास्थ्य का असर पूरे व्यक्तित्व पर होता है और हमारा व्यक्तित्व हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बताता है। अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे जरूरी हमारे आसपास का अच्छा वातावरण होता है। छात्र मनीष कुमार ने उन उपायों पर प्रकाश डाला जिनके द्वारा मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रखा जा सकता है। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई नाटिकाओं में छात्रा अंजली, उमा, आस्था, वंदना, , छात्र मनीष, रवी, सूरज, कपिल, प्रमोद, राहुल ने सहभागिता की।

विद्यार्थियों के अलावा असिस्टेंट प्रोफेसर डा. उर्वशी शर्मा, डा. नवीन श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे क्यों मनाया जाता है और कब यह शुरू हुआ इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन छात्रा अन्वी दीक्षित और वेदिका रुहेला द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत संस्कृति स्कूल आफ साइकोलाजी की डा. मोनिका अबरोल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

******

संस्कृति विवि में मनाया गया विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ ह्यूमेनिटी एंड सोशल साइंसेज द्वारा 'वर्ल्ड सुसाइड प्रिंवेंशन डे (विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस)' पर आयोजित कार्यक्रमों में संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपने भाषणों में जहां एक ओर जीवन के महत्व की बात की वहीं जीवन में कभी भी उम्मीद नहीं छोड़ने पर जोर दिया।

इन कार्यक्रमों की विशेष बात यह थी कि इनको विद्यार्थियों द्वारा संचालित और समन्वित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने लघु नाटक, स्लोगन और पोस्टर प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। विद्यार्थियों ने अपने भाषणों में बताया कि देश के साथ–साथ दुनियाभर में बढ़ती आत्महत्याओं पर रोक लगाने और उसके लिए लोगों में जागरूकता लाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के सहयोग से हर वर्ष 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है।

छात्रा प्रीती ने कहा कि अवसाद समेत कई अन्य कारणों से देश–दुनिया में आत्महत्याओं के मामले लगातार बढ़ रहें हैं।

इसपर रोक लगाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह प्रयास निश्चित ही हम युवाओं को जागृत करने में बड़ी मदद करेगा। छात्रा प्रियंका ने बताया कि डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, आत्महत्या की वजह से हर साल दुनियाभर में आठ लाख से ज्यादा लोग अपनी जान गंवाते देते हैं।

डब्ल्यूएचओ का यह भी कहना है कि आत्महत्या करने वालों में ज्यादातर 15–29 साल के लोग शामिल हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आत्महत्या करने वालों में ज्यादातर किशोर और युवा उम्र के लोग हैं।

डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार, आत्महत्या की अधिकतर घटनाएं विकसित और विकासशील देशों में सामने आ रही हैं। पढ़ाई का दबाव और नौकरी न मिलना आत्महत्या की प्रमुख वजह है।

लघु नाटकों के माध्यम से छात्रा कोमल, निशु, मथु, प्रीति, फैजिया, निकिता, प्रियंका, नैना, छात्र आनंद ने काम के जरिये उम्मीद पैदा करने का संदेश दिया। यह संदेश ही इस वर्ष डब्लूएचओ द्वारा इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस की थीम है।

डब्ल्यूएचओ इस थीम के माध्यम से यह संदेश देना चाहता है कि आत्महत्या करने के बारे में सोचने वाले लोगों को कभी भी जीने की चाह नहीं छोड़नी चाहिए।

जीवन जीने की चाह कभी नहीं छोड़नी चाहिए

संस्कृति विश्वविद्यालय में 'वर्ल्ड सुसाइड प्रिंवेंशन डे (विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस)' पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र–छात्राएं अपने पोस्टर प्रदर्शित करते हुए। साथ में डीन और शिक्षिकाएं।

कार्यक्रम में उद्घाटन वक्तव्य असिस्टेंट प्रोफेसर उर्वशी शर्मा ने और संस्कृति स्कूल आफ साइकोलाजी की डीन डा. मोनिका अबरोल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन छात्र निशु गौतम ने किया।

इस मौके पर विवि के अकेडमिक डीन डा. योगेश चंद्र, स्कूल आफ बेसिक साइंस एंड एप्लाइड साइंस के डीन डा. डीएस तौमर, इंक्यूबेशन सेंटर के सीईओ डा. अरुण त्यागी, डा. विनय मलिक, डा. रतीश शर्मा, शिक्षिका तन्वी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

सिर्फ नौकरी पाने के लिए शिक्षा न ग्रहण करें: पूरन डाबर

संस्कृति विवि में 'उद्यमिता पर संवाद'

संस्कृति विवि के सभागार में विद्यार्थियों को संबोधित करते देश के विख्यात उद्योगपति पूरन डाबर।

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित 'उद्यमिता पर संवाद' में देश के जाने–माने उद्यमी डावर ग्रुप के चेयरमैन पूरन डावर ने विद्यार्थियों को कहा कि जिस दिन आप ये समझ लेंगे कि शिक्षा, ज्ञान हासिल करना नौकरी पाने के लिए नहीं होता उस दिन इस देश में कोई बेरोजगार नहीं रहेगा। उन्होंने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को समझाया कि शिक्षा आपके ज्ञान में वृद्धि करती है और इस ज्ञान में वृद्धि से आप किसी भी काम को करने में समर्थ हो पाते हैं।

उद्योगपति डावर ने कहा कि कोई काम छोटा नहीं होता। जिस काम को हम छोटा समझते हैं उसी काम को कर दुनिया में लोग बड़े उद्योगपति बने हैं। उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे समय में जूते निर्माण का काम बहुत छोटे स्तर का माना जाता था, लोग हिकारत से देखते थे। हम जब पाकिस्तान से विस्थापित होकर भारत आए तो हमने इस काम को किया, परिवार वालों तक ने ताने दिए, लेकिन हमने किया और आज विश्व की जितनी भी बड़ी कंपनियां हैं उनके लिए हम जूते बना रहे हैं। व्यापार भी हमारा कई बिलियन डालर में हो गया। उन्होंने अपनी विश्व के कई देशों की यात्राओं के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि विदेशों में बच्चे हाईस्कूल के बाद ही अपनी शिक्षा का खर्च स्वयं उठाते हैं। वे पढ़ाई के साथ–साथ अन्य काम कर धन अर्जित करते हैं और उससे अपनी फीस देते हैं।

अनेक पुरुस्कारों से सम्मानित उद्योगपति डाबर ने विद्यार्थियों को बताया कि शिक्षा आपके काम की तरक्की में प्रयोग होनी चाहिए, उसको बढ़ाने में काम आनी चाहिए। जीवन में कोई भी काम करें कभी भी छोटी से छोटी गल्ती को अनदेखा न करें, उसको तुरंत सुधारें ताकि पुनरावृत्ति न हो। हमेशा अपने जैसा दूसरा तैयार करने की कोशिश करें ताकि आप आगे बढ़ सकें। काम करने का एक सिस्टम बनाएं और समय के महत्व को समझें।

कार्यक्रम के दौरान संस्कृति विवि के चांसलर सचिन गुप्ता ने विद्यार्थियों से कहा कि आप नौकरी पाने के पीछे न पड़ें बल्कि नौकरी देने वाला बनने की कोशिश करें। आज आपके पास बहुत मौके हैं, आपका एक छोटा सा आइडिया आपको एक बड़ा उद्यमी बना सकता है। ये क्षेत्र एक नदी की तरह है जिसकी गहराई नापने के लिए आपको पहले एक पैर डालना होगा, दोनों डाल देंगे तो डूबने का खतरा है। कहने का मतलब है कि कोई काम शुरू करने से पहले उसके बारे में ज्ञान हासिल करें, सीखें तब शुरुआत करें, आपको सफल होने से कोई रोक नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि इस सबके लिए आपको अनुशासित जीवन जीने की आदत डालनी होगी। सरस्वती पूजन से शुरू हुए इस कार्यक्रम में संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्चर के डीन डा. रजनीश ने उद्योगपति पूरन डाबर से विद्यार्थियों का परिचय कराया। संस्कृति विवि के अकेडमिक डीन डा. योगेश चंद्रा ने आगंतुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन प्लेसमेंट एंड ट्रेनिंग सेल की अनुजा गुप्ता ने किया।

Ranked 3rd
School of Tourism & Hospitality (Best Value for Money) in Private Colleges by INDIA TODAY
INDIA TODAY GROUP

RANKED 7th
सत्यमेव जयते
IN THE LIST OF
INDIAN ACADEMIC INSTITUTIONS
With the highest number of Patent applications
by IP INTELLECTUAL PROPERTY INDIA
MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL POLICY AND PROMOTION
Office of the Controller General of Patents, Designs, Trademarks, and Geographical Indications, Government of India

175+
Companies Visited

91%
Students Placed

54 Lakh
Highest Package